

गांड में लंड : सीनियर सिटिजन के लंड का दम-2

“ यह कहानी मेरी गांड में लंड की है. मेरे कॉम्प्लेक्स के केयर टेकर अंकल मुझे रोज चोदते हैं. मुझे खूब मजा आता है. एक दिन उनका एक दोस्त आया. उस दिन उन दोनों ने मुझे चोदा, मेरी गांड भी मारी. ... ”

Story By: (shahseema)

Posted: Tuesday, October 23rd, 2018

Categories: [लड़कियों की गांड चुदाई](#)

Online version: [गांड में लंड : सीनियर सिटिजन के लंड का दम-2](#)

गांड में लंड : सीनियर सिटिजन के लंड का दम-2

हैलो फ्रेंड्स.. मेरी यह कहानी मेरी गांड में लंड की है. यह मेरी पिछली रियल कहानी सीनियर सिटिजन के लंड का दम का अगला भाग है, मुझे आशा है कि आपको पसंद आएगी.

अब तक की मेरी इस कहानी में मैंने आपको बताया था कि मेरे कॉम्प्लेक्स के केयर टेकर अंकल मुझे रोज चोदते हैं. अब आगे की कहानी का मजा लें.

यह नवरात्रि की बात है, मुझे गरबा का खूब शौक है, मैं रोज तैयार होकर जाती हूँ. मुझे तैयार होते देख कर ही मेरे वो लवर केयर टेकर का तो लंड एकदम से खड़ा हो जाता था. उन दिनों मैं देर रात को जब 1 बजे वापस आती तो उनके पास जाती थी. उनसे तो रहा ही नहीं जाता था और वे मुझे खूब जम कर चोदते थे.

एक दिन शाम में समय उनके एक दोस्त जाकिर अंकल उनके पास आए थे. फिर मुझे मेरे चोदू ने चाय बनाकर ऊपर लाने को बोला. मैं दोनों की चाय लेके गई तो मेरे केयर टेकर लवर ने बोला- सीमा ये मेरा खास दोस्त है, जिसे मैं मेरी हर बात बताता हूँ. आज वो यहीं रुकेगा तो आज तुम उसके लिए एकदम बढ़िया खाना बनाना.

मैंने बोला- ठीक है.

लवर ने कहा- और हां सुनो.. ये सब तुम ऊपर यहां मेरे कमरे में ही बनाओ.

मैंने बोला- ठीक है.

फिर मैं साड़ी पहन कर गई और ऊपर ही उनके रूम में मैंने उनके लिए खाना बनाया.

बिरयानी, खीर पूरी, बढिया सब्जी वगैरह बना कर उन दोनों को खिलाया.. मैंने खुद भी खाया.

अब मेरे लवर ने बोला- सीमा, आज तुम गरबा में ना जाओ तो अच्छा है. जाकिर भी तुम्हारा दीदार करना चाहता है.

जाकिर भी उम्र में मेरे लवर के जितने ही हैं. मैंने 8 बजे उन लोगों को खाना खिला दिया था. अब मैं अपने घर में आ गई. मैंने नहा कर एक नेवी ब्लू रंग की रेड बॉर्डर वाली चनिया चोली पहनी, जिसका ब्लाउज पीछे से एकदम ओपन था, सिर्फ़ एक पतली सी डोरी से ही बँधा था.. बाकी पूरी पीठ एकदम ओपन थी. वो पहन कर मैं तैयार हुई. फिर मैंने मेरे लवर को कॉल किया- आप कहां हैं, मैं तैयार हो गई हूँ.

तो वो बोले- जानेमन, अभी हम दोनों नीचे आ गए हैं. दस बजे करीब हम ऊपर आएंगे और हां तुम ऊपर जाकर थोड़ा बेड एक सा ठीक कर दो, उस पर कोई नई सी चादर डालके उसे अपन तीनों के लिए तैयार कर दो.

मैंने चुदासी सी होकर बोला- ठीक है.

मैंने ऊपर जाकर एक सफेद चादर डाल कर बेड तैयार कर दिया और वापस आ गई.

आज दो से मिलने की सोच कर मेरा तो समय ही नहीं निकल रहा था. कुछ ही देर में मैंने फिर से कॉल किया कि मुझे रहा नहीं जाता.

तो वे बोले- अभी हम दोनों बाजार में हे तुम्हारी आज की मस्त चुदाई की तैयारी करने का सामान लेने गए हैं.

मैंने हैरान होकर बोला- ऐसा क्या ??

तो वो हंस कर बोले- हां.. ऐसा.. तुम इन्तजार करो. मैं थोड़ी देर में आता हूँ और आकर सब बताता हूँ.

मैं ये सुन कर बेहाल हुई जा रही थी. ठीक 9.45 को मेरे लवर अकेले ऊपर आकर पहले मेरे घर पे आए और मुझे एक बड़ी पॉलीथीन की थैली पकड़ा दी.

मैंने पूछा- क्या है ?

तो बोले- गुलाब हैं.. तुम ऊपर जाकर उसे बेड पे सजाकर तैयार करो और हां ये लो.

एक पैकेट देते हुए बोले- ये कॉफी है.. तुम उसे दूध में उबाल कर अभी पी लो.. स्पेशल है.. खेलने में खूब मज़ा आएगा.

मैंने पैकेट पर देखा तो उस पर कुछ दवा जैसा नाम लिखा था. वो कोई सेक्स बढ़ाने वाली दवाई जैसा सामान ही था. मैं थोड़ी उनकी और देख के मुस्कराई.

तो वे बोले- ये देखो... स्वीट है, इसे डिश में लेकर तुम ऊपर आ जाना.. हम दोनों 10 या 10.15 तक आ जाएंगे.. ओके जान !

इसके बाद उन्होंने मुझे कसके अपनी बाँहों में लेकर खूब किस किया मेरे होंठों पर, गाल पर साथ में मेरे बूब्स भी दबाए. मैं गनगना उठी.

फिर वो नीचे चले गए, मैंने ऊपर जाकर बेड सजा दिया.. एकदम सुहागरात जैसी फीलिंग आने लगी थी. फिर एक डिश में वो जो गुलाब जामुन लाए थे, उन्हें निकाल के रखा.

फिर मैंने उन्हें कॉल किया कि सब तैयार है.. आप को आने में कितनी देर होगी ?

वो बोले- थोड़ा इंतजार करो जानेमन.. अभी आते हैं.

मैं अपने पैर में पायल, कमर में कमरबंद.. हाथ में बहुत से कंगन.. कानों में बजने वाली झुमके.. ये सब पहन कर तैयार हो चुकी थी.. और उन का वेट कर रही थी.

इतने समय तक वो कॉफी भी अपना असर दिखा रही थी. मेरे बदन में आग लग गई थी.

ठीक 10.15 को वो दोनों ऊपर आए और छत का दरवाजा अन्दर आकर बंद किया. मैं छत

में चक्कर लगा रही थी. उन दोनों ने आते ही मुझे बांहों में लेकर किस किया और रूम में लेकर आ गए.

मुझे बिस्तर पर बिठाया और दोनों ने गुलाब जामुन लेकर मुझे खिलाना शुरू किए. मैंने दोनों से आधा आधा गुलाब जामुन खाकर आधा उन दोनों को भी खिलाया. वो दोनों मेरे दोनों ओर बैठ गए थे.

अब धीरे धीरे मेरे लवर ने मेरा एक हाथ पकड़ कर अपने पजामे के ऊपर लगाया. बापरे आज तो उनका अभी से ही एकदम कड़क हो गया था. मेरा दूसरा हाथ जाकिर अंकल ने पकड़ के उनके पजामे पर रखा. उनका तो मेरे लवर से भी ज्यादा कड़क था. मैंने ऊपर से ही दोनों के लंड सहलाना शुरू किए.

फिर मैंने अपने बदन से सब जो पहना था, ज़ेवर आदि.. वो निकालना शुरू किया. मैंने चोली के नीचे ब्रा नहीं पहनी थी, जाकिर ने मेरे पीछे से डोरी खोल कर चोली खोल दी और निकाल दी. उधर मेरे लवर ने मेरी चनिया का नाड़ा खोल कर उसे भी निकाल दिया.

अब मैं सिर्फ़ पेंटी में रह गई थी. मैंने दोनों के कुर्ता पजामे निकाल दिए. अंडरवियर में उनके लंड ऐसे दिख रहे थे कि अभी फाड़ के बाहर आ जाएँगे. इतने कड़क लंड थे.

अब मैं बेड पर बैठी और वो दोनों बेड पर चढ़ कर खड़े हो गए, जिससे दोनों के लंड मेरे मुँह पर आ गए और मैं बारी बारी से दोनों के लंड मुँह में लेके चूसने लगी. आज तो मेरे लवर का लंड भी एकदम बेकाबू हो रहा था. ऐसे मैंने दोनों के लंड करीबन 15 मिनट तक चूसे.

फिर दोनों ने मुझे बेड पर लिटा दिया और जाकिर अंकल ने मेरी चुत पर मुँह लगा कर चुत चूसना शुरू कर दिया. मेरे लवर मेरे पास आकर मेरे मम्मों को चूसना शुरू किया. उन्होंने जैसे ही चूसना शुरू किया, मेरा पानी निकल गया और मेरी चुत एकदम से गीली गीली हो

गई. निप्पल भी बहुत कड़क हो उठे थे.

उनको मेरे लवर धीरे धीरे से काटते हुए खींच कर चूस रहे थे.

अब मैं और अधिक बेहाल हो रही थी, मैं बोली- अब रुका नहीं जाता.. जल्दी से अन्दर डालो.. मुझसे सहा नहीं जा रहा है.

तो मेरे लवर ने बोला- जाकिर, चलो पहले तुम अपना लंड पेलो.

जाकिर अंकल ने मेरे ऊपर आकर लंड को चुत की फांकों में रखा. मैंने अपने हाथ से उसे चुत के होल पे थोड़ा घिसा, फिर बोला- हम्म.. अब अन्दर डालो जानू.. डालो जल्दी.. ये सुनते ही उन्होंने एक ज़ोर से झटका मारा और लंड घुसा ही था कि मेरे मुँह से ज़ोर से चीख निकली- मर गई.. बचाओ..

इसी बीच एक ही बार में उनका पूरा लंड अन्दर चला गया.

उधर मेरे लवर मेरे बूब्स पी रहे थे. मैं उनकी छाती और पेट को सहला रही थी. अब जाकिर अंकल ज़ोर ज़ोर से मुझे चोद रहे थे.

मैं बोल रही थी- आह्ह.. उम्मह... अहह... हय... याह... और करो और तेज करो.. आज मेरी चुत फाड़ दो.. मुझे रहा नहीं जाता.. डालो और ज़ोर से और ज़ोर से चोदो मुझे.. करीब बीस मिनट तक ज़ोर ज़ोर से उन्होंने मुझे पेला. मैं तब तक 2 बार पानी छोड़ चुकी थी.

मेरी चुत से 'पुच्छ पुच्छ..' आवाज आ रही थी. वे झटके ऐसे मार रहे थे कि मेरा पूरा लंड बाहर तक निकल कर ज़ोर से अन्दर तक आ रहा था.

अब वो तेज हुए और बोले- मेरा निकलने वाला है.. कहां निकालूँ ?

मेरे लवर बोले- आज तो तुम्हारा पहली बार है.. जाकिर सीमा की चुत में ही निकल जाओ.

तभी एक सैलाब सा मेरी चुत में पूरा निकल गया. उनका रस मेरी चुत को गरम सा करते

हुए.. पूरी चुत उनके पानी से भर गई. वो मेरे ऊपर ही लेट गए. उनका लंड अभी भी मेरी चुत में अन्दर ही था.

दस मिनट बाद वे उठे तो चुत में से उनका रस और मेरी चुत का रस बह रहा था. मेरे लवर बोले- यूं तो ये वेस्ट हो जाएगा सीमा. उन्होंने झट से एक कटोरी में उस रस को चुत में उंगली करके निकाला. फिर उन्होंने मुझे कटोरी दी और बोले- ये बहुत कीमती अमृत है, इसे बर्बाद मत होने दो सीमा.. लो पी लो.

मैंने कटोरी लेकर अपनी जीभ से पूरे नमकीन रस को चाट गई और जाकिर अंकल का लंड भी चाट कर साफ किया.

उधर मेरे लवर का लंड अन्दर जाने को एकदम तैयार था.

मैं बोली- अभी चुत धोकर आती हूँ.

तो वो बोले- अरे नहीं आज मैं तुम्हारे नए होल की सील खोलूँगा.

ऐसा बोल कर वो मेरे पीछे आ गए और मुझे कमर से पकड़ के अपने शरीर से चिपका लिया. मुझे मेरी गांड पर उनका लंडा महसूस होने लगा.

मैंने उनसे बोला- जान धीरे से डालना.. कहीं फट न जाए.

वो मुस्कुराते हुए मेरी पीठ पे किस करते और आगे हाथ डालकर बूब्स को मसलते हुए बोले- आज फट जाने दो जान.. आज तो मैं अपनी बरसों की तमन्ना पूरी करके रहूँगा.

तब जाकिर अंकल आ गए और मेरे पास लेट गए. मैंने उनके सिर को मेरे बूब्स के पास लेकर अपने निप्पल उनके मुँह में डाल दिया और उनसे दूध चुसवाने लगी.

अब मेरे लवर ने धीरे से उनका लंड का सुपारा मेरी गांड के छेद में डाल कर ज़ोर से पुश करना शुरू किया.

मैं बोली- बहुत दर्द हो रहा है जानू.

लेकिन उन्होंने मेरी कोई बात नहीं सुनी. पर लंड मोटा था और मेरी गांड का फूल सुकड़ा हुआ था, इसलिए लंड अन्दर जा ही नहीं रहा था.

फिर उन्होंने मुझे बेड पे एकदम उल्टा लेटाया और वो मेरे ऊपर आ गए. अपने लंड को उन्होंने अपने थूक से पूरा गीला किया और वो मेरे ऊपर सीधा चढ़ गए. अपने लंड को मेरी गांड में एक ज़ोर के झटके से डाल दिया. मेरी जान निकल रही थी.. मुझे लग रहा था कि मेरी गांड आज फट गई.. इतना दर्द हो रहा था.

मैंने धीरे से पूछा- उन्ह्ह.. कितना गया ?

वो बोले- आधा गया है जानेमन.. एक और अगले झटके में आज पूरा घुस जाएगा.

उन्होंने फिर से एक ज़ोर का झटका देके मेरी गांड में पूरा लंड अन्दर तक पेल दिया. फिर मेरे ऊपर अपना पूरा वजन डाल कर ऊपर ही लेट गए. दस मिनट धीरे धीरे अन्दर बाहर करना शुरू किया. अब मुझे भी थोड़ा मज़ा आना शुरू हुआ था. उन्होंने भी ज़ोर ज़ोर से धक्का लगाना शुरू किया.

वो बोले- चलो सीमा, अब मैं बेड पे लेटता हूँ.. तुम ऊपर बैठ कर पूरा लंड अपनी गांड में लेकर खुद अन्दर बाहर करो.. जिससे जाकिर भी तुम्हें अपना लंड गांड मराने के भी साथ में चुसवा सके.

मैं खड़ी होके उनके ऊपर बैठ गई और अपने हाथ से लंड को अपनी गांड में डालकर लेने लगी. जाकिर अंकल खड़े होकर लंड हिलाने लगे. वे अपना लंड मेरे मुँह में डाल कर चुसवा रहे थे. मैं ज़ोर से ऊपर नीचे करते हुए अपनी गांड को उछाल कर पूरा लंड ले रही थी.

ऐसा खेल तीस मिनट तक चला. अब उनका लंड रस निकालने वाला था. उन्होंने मेरी गांड में ही पानी निकाल दिया.

अब मेरी गांड से उनका पानी बह रहा था. साथ में थोड़ा खून भी निकल रहा था. मैंने चादर में देखा तो वीर्य के और थोड़े खून के धब्बे बने थे. दोनों का खूब वीर्य निकला था. सो चादर काफ़ी भीगी हुई थी.

अब मुझे मेरे लवर बोले- जाओ सीमा अपनी गांड और चुत साफ करके आ जाओ. मैं नंगी ही छत के बाथरूम में जाकर अपने गांड और चुत धोकर आ गई.
वो जाकिर से बोले- अब तुम अपना लंड सीमा की गांड में डालो. मैं तो अब उसका दूध पियूंगा.

मैंने जाकिर अंकल का लंड मुँह में लेके मेरे थूक से गीला किया और जाकिर से मेरे पीछे से लंड टिका कर मेरी गांड में पेल दिया. आगे से मेरे लवर मेरे बूब्स पीने लगे.

उन्होंने अपना लंड पेल कर पूरे 30 मिनट तक मेरी गांड मारी.
फिर बोले- अब पानी निकलने वाला है.
मैंने सामने से बोला- उसे मेरे मुँह में गिरा दीजिए.

उन्होंने अपना मुँह मेरे लंड पे रख के पानी निकाला और मैं पूरा पानी पी गई. उनका लंड भी चाट कर साफ कर दिया.

अब मैं तो पूरी पस्त हो गई थी. मेरा बदन, मेरी चुत, मेरी गांड सब दर्द कर रहा था. उन दोनों का लंड तो अभी भी तैयार ही था.

मैं बोली- आज क्या खाया है, जो इतना तैयार है ?
वो दोनों हंसते हुए बोले- जानेमन, तुमको जो दवाई खिलाई, वैसे ही हमने भी एक एक गोली खाई है.. आज तेरी पूरी तड़प जो मिटानी है.

फिर से दोनों मेरे बूब्स दबाने लगे.. किस करने लगे. मैं भी दोनों के लंड एक एक करके मुँह

में लेने लगी. पूरी रात में उन दोनों ने मुझे 2 बार गांड में और 6 बार चुत में डाल कर चोदा. मैं सुबह तक बेहाल हो गई थी, लेकिन जो मज़ा मिला था.. उससे मैं खुश थी.

फिर मैं नीचे गई, नहा कर उन दोनों के लिए नाश्ता चाय बनाया और लेकर ऊपर गई. हम तीनों ने नाश्ता किया. फिर उनके फ्रेंड जाकर अंकल निकल गए और मैं और मेरे लवर रूम में थे.

बेड एकदम बिखर गया था.. गुलाब की पंखुड़ियां पूरे रूम में पड़ी थीं. चादर तो समझो पूरे चिकने धब्बे वाली हुई पड़ी थी. मेरी चनिया चोली भी उनके वीर्य वाली हो गई थी.

वो सब अभी में ठीक कर ही रही थी कि मेरे लवर ने मुझे पीछे से कसके बांहों में भर लिया और चूमने लगे.

मैं बोली- पूरी रात किया.. फिर भी मन नहीं भरा ?

वो बोले- तुम हो ही ऐसी चीज़ कि लंड खड़ा हो जाता है.

फिर उन्होंने मेरी कैपरी में उंगली डाल दी और बोले- देखो ना तुम्हारी चूत तो अभी भी एकदम गीली है.. तुम भी तो लंड के लिए तैयार हो.

मैं धीरे से बोली- अरे छूत का दरवाजा खुला है.. बंद करके आओ.

वो दरवाजा बंद करने गए, मैं नंगी हो गई और फिर उन्होंने मुझे फिर से एक बार जमके चोदा और पूरा वीर्य मेरे मुँह में निकाल दिया. मैं लंड मुँह में लेकर रस पी गई.

फिर सब कपड़े लेके धोने के लिए घर आ गई.

तो यारो, आपको मेरी गांड में लंड की कहानी कैसी लगी.. ज़रूर बताना. जल्दी ही एक नयी कहानी लेकर आऊंगी. बाय.

shahseema38@gmail.com

